01613

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2017

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the five questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question no. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Make a detailed exposition of the Charvaka Epistemology. 20

OR

Highlight the sublime teachings of the Mundaka Upanishad. 20

2. Explain the central themes of the Isha Upanishad in detail. 20

OR

Give a detailed account of the age of Mantras, Brahmanas and Aranyakas. 20

3. Answer **any two** of the following questions in about **200** words each :

(a) Attempt an overview of the basic teachings of Brihadaranyaka Upanishad. 10

(b) How does the Upanishads identify the 'AUM' and the states of consciousness of self. 10

(c) Distinguish between the structures of the Samaveda and the Atharvaveda. 10

(d) Critically evaluate the metaphysics of Jainism. 10

4. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

(a) Bring out the major differences between Indian and Western traditions in the analysis of mind. 5

(b) Describe the doctrine of Dependent Origination. 5

(c) How is the concept of self or Soul understood in Charvaka materialism ? 5

(d) Give a brief account of Vyakarana, Chandas and Nirukta. 5

(e) Discuss the importance of Nishkamakarma 5

(f) What is the means of realization as discussed in the Mundaka Upanishad ? 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Syadvada of Jainism 4

(b) The bonds of Sat 4

(c) Karma in Buddhism 4

(d) Sunyavada of the Madhyamikas 4

(e) Smriti 4

(f) Concept of Rita 4

(g) Jevan mukti 4

(h) Aparavidya or lower knowledge 4

बी.पी.वाई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2017
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग-I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) *प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।*

---

1. चार्वाक ज्ञानमीमांसा को विस्तार से स्पष्ट कीजिए। **20**

अथवा

मुण्डका उपनिषद् की विचारोत्तेजक शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। **20**

2. ईशा उपनिषद् की केन्द्रीय योजना की विस्तार से व्याख्या करें। **20**

अथवा

मन्त्र, ब्राह्मण और आरण्यक के समय-काल का विस्तृत विवरण दीजिए। **20**

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(a) बृहदारण्यक उपनिषद् की मुख्य शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। **10**

(b) उपनिषद् ओउम तथा चेतना की अवस्थाओं के मध्य सम्बंध कैसे स्थापित करते हैं? 10

(c) सामवेद और अथर्ववेद की संरचनाओं के मध्य अन्तर कीजिए। 10

(d) जैन दर्शन की तत्वमीमांसा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(a) मन-विश्लेषण के सम्बंध में भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के मध्य भेद को स्पष्ट करें। 5

(b) प्रतीत्य समुत्पाद का वर्णन कीजिए। 5

(c) चार्वाक भौतिकवाद में आत्मा को किस प्रकार समझा जाता है? 5

(d) व्याकरण, छन्द एवं निरुक्त का संक्षिप्त विवरण दें। 5

(e) निष्कामकर्म का वर्णन करें। 5

(f) मूण्डक उपनिषद् में विवेचित आत्म-ज्ञान (realization) के साधन क्या हैं? 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) स्यादवाद (जैन दर्शन में स्यादवाद) 4

(b) सत् के बन्धन 4

(c) बौद्ध दर्शन में कर्म 4

(d) माध्यामिका दर्शन में शून्यवाद 4

(e) स्मृति 4

(f) ऋत-प्रत्यय 4

(g) जीवन-मुक्ति 4

(h) अपराविद्या अथवा निम्न ज्ञान 4